प्रेस को जानकारी टिप्पण (प्रेस विज्ञप्ति संख्या 63/ 2020)

तत्काल जारी करने के लिए

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण ने ''इंटरनेट ऑफ थिंग्स – रूझानों, सुरक्षा चुनौतियां और समाधान'' विषय पर वेबिनार का आयोजन किया

नई दिल्ली, 31 अगस्त, 2020: आज, भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (भादूविप्रा) ने दिनांक 28 अगस्त, 2020 को इसके क्षेत्रीय कार्यालय, भोपाल के माध्यम से ऑनलाइन प्लेटफार्म से ''आईओटी– रूझानों, सुरक्षा चुनौतियां और समाधान'' विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया।

2. भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण, दूरसंचार क्षेत्र में उपभोक्ता के हितों से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर संगोष्ठियां आयोजित करता है जहां विषय से जुड़े विशेषज्ञों भागीदारों को विषयों पर जानकारी प्रदान करते हैं। कोविड महामारी के वर्तमान परिदृश्य में, ऑनलाइन मीटिंग प्लेटफार्म के माध्यम से इस तरह के कार्यक्रमों का संचालन करने का निर्णय लिया गया था, जहां उपभोक्ता अपने घर, दुकान अथवा कार्यालय में बैठे कर शामिल हो सकते हैं। इंटरनेट ऑफ थिंग्स के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करने के लिए वेबिनार का आयोजन किया गया था।

3. वेबिनार का उद्घाटन डॉ0 रजत मूना, निदेशक, आईआईटी भिलाई ने किया। अपने उद्घाटन भाषण में उन्होंने विश्व भर और देश में इंटरनेट ऑफ थिंग्स पर प्रकाश डाला। उन्होंने उल्लेख किया की लाखों एक दूसरे से जुड़े हुए उपकरण तथा मशीन से मशीन का निर्बाध संचार भविष्य में देश का भावी प्रौद्यागिकीय परिदृश्य बदलने वाला है। श्री विनोद गुप्ता, सलाहकार, भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण ने भागीदारों का स्वागत किया तथा कार्यक्रम के ब्योरे को स्पष्ट किया।

4. श्री संजीव बैंजल, सलाहकार, भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण, नई दिल्ली इस अवसर पर विशेष अतिथि थे। अपने विशेष भाषण में, उन्होंने इंटरनेट ऑफ थिंग्स उपकरणों, दूरसंचार नेटवर्क के माध्यम से एम2एम कनेक्टिविटी के महत्व पर बात की। अनेक विशेषज्ञों नामतः सुश्री रेयनु विट्टोलिया (डिजिटल एक्पीरियंस प्री–सेल्स लीडर, नोकिया साफ्टवेयर), डॉ0 ब्रजेश लाल (प्रोफेसर, आईआईटी दिल्ली, विद्युतीय अभियांत्रिकी विभाग), श्री राम नारायण (पूर्व वरिष्ठ डीडीजी दूरसंचार विभाग), और श्री एस.के. शर्मा (पूर्व उप– महानिदेशक, दूरसंचार अभियांत्रिकी केन्द्र) ने इंटरनेट ऑफ थिंग्स के विभिन्न पहलुओं पर प्रस्तुतियां दी। विशेषज्ञों ने इंटरनेट ऑफ थिंग्स के तकनीकी परिदृश्य, विशेषताएं, अपेक्षाएं, विभिन्न उद्योगों में इंटरनेट ऑफ थिंग्स के उपयोग, मशीन से मशीन के सम्पेषण पर जानकारी पर जानकारी प्रदान की, सेंसरों, क्लॉउड पर होस्ट की गई सेवाओं पर विचार विमर्श किया। विशेषज्ञों ने भागीदारों को इंटरनेट ऑफ थिंग्स और भारत में संबंधित सेवाओं, सरकारी नीतियों और विनियमों, सुरक्षा और निजता, इंटरनेट ऑफ थिंग्स परिदृश्य में संभावित खतरों की रूपरेखा पर जानकारी प्रदान की।

5. वेबिनार में बड़ी संख्या मे भागीदारों यथा संकाय सदस्यों, अनुसंधान विद्वानों तथा अनेक शैक्षिक संस्थानों से छात्रों, उद्योग संघों, विभिन्न दूरसंचार सेवा प्रदाताओं नामतः बीएसएनएल, एयरटेल, वोडाफोन– आइडिया, जीओ, भारती इंफ्रा, एटीसी, सरकारी विभागों से वरिष्ठ अधिकारियों, उपभोक्ता समर्थक समूहों तथा नागरिकों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भागीदारी की, विशेषरूप से युवा छात्र, कार्यक्रम में रूचिकर चर्चा/ विचार– विमर्श से लाभान्वित हुए।

6. किसी भी स्पष्टीकरण के मामले में, श्री संजीव बैजल, सलाहकार (सीए एंड आईटी), भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण, से दूरभाष नम्बर 011–23210990 अथवा ई–मेल आईडी : advisorit@ trai.gov.in पर भी संपर्क किया जा सकता है।

ह0/–
(एस0 के0 गुप्ता)
सचिव, भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण

अस्वीकरण: यह विज्ञप्ति मूलरूप से अंग्रेजी में लिखित विज्ञप्ति का हिंदी अनुवाद हैं। यदि इसमें कोई विसंगति परिलक्षित होती है तो अंग्रेजी में लिखित यह विज्ञप्ति मान्य होगी।